



भारत का राजपत्र The Gazette of India

ek
2/8/84

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 458]
No. 458]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 30, 1984/अग्रहायण 9, 1906
NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 30, 1984/AGRAHAYANA 9, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1984

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 30th November, 1984

सा. का. नि. 796 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, महापत्तन
तस अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 3 की उप-
रा (1) और (6) के साथ पठित, धारा 10 द्वारा प्रदत्त शक्तियों
प्रयोग करते हुए, भारतीय जहाज मालिक संघ का प्रति-
धित्व करने के लिए श्री डी. पी. बुच के स्थान पर श्री एस.
दमनिया को परादीप पत्तन न्यासी मंडल में न्यासी नियुक्त
की है और भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय
(पत्तन पक्ष) की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 235 (अ),
दिनांक 29 मार्च, 1984 में निम्नलिखित संशोधन करती है,
ति :—

उक्त अधिसूचना में, क्रम सं.-11 “श्री डी. पी.
बुच” के स्थान पर “श्री एस. के. दमनिया”
पढ़ा जाए।

[फाइल सं. पी डब्ल्यू/पी.टी.जी.-27/83]

G.S.R. 796(E).—In exercise of the powers con-
ferred by section 10, read with sub sections (1) and
(6) of section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963
(38 of 1963), the Central Government hereby ap-
points Shri S. K. Damania, a Trustee on the Board
of Trustees of the Port of Paradip, representing the
Indian National Shipowners Association vice Shri
D. P. Buch, and makes the following amendment in
the notification of the Government of India in the
Ministry of Shipping and Transport (Ports Wing) No.
G.S.R. 235(E), dated 29th March, 1984, namely :—

In the said notification, in the entry against Serial
number 11, for the words and letters “Shri D. P.
Buch” the words and letters “Shri S. K. Damania”
shall be substituted.

[F. No. PW/PTB-27/83]

सा. का. नि. 797 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 39) की धारा 3 की उप-धारा (1) और (6) के साथ पठित, धारा 10 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मूरगांव पत्तन के न्यासी मंडल में इंडियन नेशनल शिप ओनर्स एसोसिएशन के श्री प्रकाश आर. हेडे को श्री बी. एम. सालगावकर के स्थान पर न्यासी नियुक्त करती है और भारत सरकार में नौवहन और परिवहन मंत्रालय (पत्तन पक्ष) की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 243 (अ), दिनांक 30 मार्च, 1984 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में प्रविष्टि क्रम सं. 12 में “श्री बी. एम. सालगावकर” शब्दों और अक्षरों के लिए “श्री प्रकाश आर. हेडे” शब्द और अक्षर रखे जाएंगे।

[फाइल : सं. पी डब्ल्यू/पी.टी.बी.-28/83]
पी. एम. अब्राहम, अपर सचिव

G.S.R.797(E).—In exercise of the powers conferred by section 10, read with sub-sections (1) and (6) of section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby appoints Shri Prakash R. Hede, a Trustee on the Board of Trustees of the Port of Mormugao to represent the Indian National Shipowners Association vice Shri V. M. Salgaocar, and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Ports Wing) No. G.S.R. 243(E), dated 30 March, 1984, namely:—

In the said notification, in the entry against Serial Number 12, for the words and letters “Shri V. M. Salgaocar” the words and letters “Shri Prakash R. Hede” shall be substituted.

[F. No. PW/PTB-28/83]
P. M. ABRAHAM, Addl. Secy.